हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "A" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 128 हल्द्वानी (नैनीताल) शनिवार 21 मार्च 2026 मूल्य रू 2 पृष्ठ : 8

नशे के इंजेक्शन के ओवरडेज से युवक की मौत

हल्द्वानी(संवाददाता)। नशे के इंजेक्शन के ओवरडेज से घर का इकलौता चिराग बुझ गया। शुभ नामक 23 वर्षीय युवक की लाश पीलीकोठी स्थित खंडहर में मिली। इसके बाद परिवार में कोहराम मच गया है।पुलिस के अनुसार, कुसुमखेड़ा हरीपुर नायक भूमिया विहार फेस 2 निवासी गुड़िया किराए के मकान में रहतीं हैं। वह घरों में काम करके अपना गुजर बसर करतीं हैं। गुड़िया की दो बेटियां व एक बेटा है। 23 वर्षीय बेटा शुभ दीवाकर दिल्ली में एक फाइनेंस कंपनी में काम करता था। एक सप्ताह पूर्व ही वह अपने घर हल्द्वानी आया था।शुक्रवार को पोस्टमार्टम हाउस में पहुंचे स्वजन की मानें तो वह नशे के इंजेक्शन का आदी था। बुधवार की शाम वह अपने एक दोस्त के साथ घर से निकल गया। जिसके बाद वह रात में घर भी नहीं पहुंचा। परिवार के लोगों ने उसे फोन करने की कोशिश की लेकिन उसका फोन नहीं लगा।बृहस्पतिवार की शाम शुभ के दोस्त की बहन ने उनके परिवार वालों को शुभ के पीलीकोठी स्थित खंडहर में पड़े होने की सूचना मिली। जिस पर गुड़िया के मकान मालिक खंडहर में पहुंचा, जहां शुभ अचेत अवस्था में पड़ा हुआ मिला। आनन फानन में शुभ को डा. सुशीला तिवारी अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें बताया कि शुभ की चार घंटे पहले ही मौत हो चुकी है। शुक्रवार को मोर्चरी में शुभ का पोस्टमार्टम कर शव स्वजन को सौंप दिया है।एसपी सिटी मनोज कत्याल ने बताया कि शुभ के शरीर में इंजेक्शन के निशान दिखाई दे रहे हैं। शुभ की मौत संदिग्ध लग रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

नगर और ग्रामीण क्षेत्रों की मस्जिदों में उलमाओं के द्वारा नमाज अदा कराइ

रामनगर (संवाददाता)। मुकद्दस रमजान के अलविदा जूमे पर रोजे के आखिरी दिन मुस्लिम समाज के लोगों को नगर और ग्रामीण क्षेत्रों की मस्जिदों में उलमाओं के द्वारा नमाज अदा कराई गई।नगर की जामा मस्जिद में शहर इमाम मुफ्ती गुलाम मुस्तफा नईमी,बड़ी मस्जिद में मुफ्ती शकील अहमद,मोती मस्जिद,मक्का मस्जिद,आला हजरत मस्जिद सहित अन्य नगर और ग्रामीणों की मस्जिदों में भी अलविदा नमाज अदा कराई गई।नमाज अदा करने के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने अल्लाह पाक की बारगाह में हाथ उठाकर देश में अमन चौन, भाईचारे और कौम के लिए दुआएं मांगी गई। उलमाओं ने कहा कि मुकद्दस रमजान का महीना बहुत ही रहमत और बरकतों वाला महीना होता है।इस महीने में मुस्लिम समाज के लोगों को ज्यादा से ज्यादा इबादत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुकद्दस रमजान सब्र, इंसानियत,भाईचारे और जरूरतमंदों की मदद करने का पैगाम देता है। उन्होंने कहा कि लोगो को

ईद की नमाज ईदगाह में ठीक 8:30 बजे अदा की जाएगी

हल्द्वानी (संवाददाता)। /जामा मस्जिद की जानिब से माह-ए-शव्वाल 1447 हिजरी के चाँद को लेकर अहम एलान किया गया है। 29 रमजानुल मुबारक (19 मार्च 2026) की शाम मगरिब के बाद चाँद देखने का एहतमाम किया गया, मगर हल्द्वानी और अतराफ में कहीं भी चाँद नजर नहीं आया और न ही किसी मुकम्मल गवाही की तस्दीक हुई।20 मार्च (जुमुआ) : 30वां रोजा (रमजान मुकम्मल)21 मार्च (शनिवार) 1 शव्वाल 1447 हिजरी ख़ ईद-उल-फित्रयानी ईद-उल-फित्र 21 मार्च को अदा की जाएगी।मदरसा इस्लामिया अरबिया सिराजुल उलूम की जानिब से एलान किया गया है कि ईद की नमाज ईदगाह में ठीक 8:30 बजे अदा की जाएगी।जामा मस्जिद हल्द्वानी में ईद-उल-फित्र की नमाज सुबह 9:00 बजे अदा की जाएगी।

विधायक राम सिंह कैड़ा ने आखिरकार धामी सरकार के मंत्रिमंडल में जगह बना ली

हल्द्वानी (संवाददाता)। लंबे राजनीतिक इंतजार और निरंतर संघर्ष के बाद भीमताल से दूसरी बार विधायक राम सिंह कैड़ा ने आखिरकार धामी सरकार के मंत्रिमंडल में जगह बना ली है। दुर्गम और लंबे समय से उपेक्षित भीमताल क्षेत्र को मंत्री पद मिलने से स्थानीय लोगों में विकास की नई उम्मीद जगी है।राम सिंह कैड़ा की राजनीतिक यात्रा छात्रसंघ की सक्रिय राजनीति से शुरू होकर आज सत्ता के शीर्ष तक पहुंची है। यह सफर संघर्ष, संगठन और जमीनी पकड़ का उदाहरण माना जा रहा है।छात्र राजनीति से बनी पहचानओखलकांडा ब्लाक के कैड़ा गांव में 15 मार्च 1974 को जन्मे कैड़ा ने प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही प्राप्त की। इसके बाद उच्च शिक्षा के लिए हल्द्वानी के एमबीपीजी कालेज पहुंचे, जहां उन्होंने छात्र राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई।

वर्ष 1999 में छात्रसंघ अध्यक्ष बनने के साथ उन्होंने अपने नेतृत्व की मजबूत छाप छोड़ी। इससे पहले भी वे छात्रसंघ के विभिन्न पदों पर निर्वाचित हो चुके थे।उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दौरान राम सिंह कैड़ा ने अग्रिम पंक्ति में रहकर संघर्ष किया। अलग राज्य की मांग को लेकर उन्होंने जेल यात्राएं कीं, लाठियां खाई और कई आंदोलनों का नेतृत्व किया। यह दौर उनकी राजनीतिक पहचान को मजबूत करने वाला साबित हुआ।कांग्रेस से भाजपा तक का सफरछात्र जीवन से ही कांग्रेस से जुड़े रहे कैड़ा को जब भीमताल से टिकट नहीं मिला, तो उन्होंने हार नहीं मानी। वर्ष 2017 में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरकर उन्होंने मोदी लहर के बावजूद जीत दर्ज की। कुल 95,669 मतों में से 18,878 वोट हासिल कर उन्होंने अपनी जनस्वीकृति साबित की। निर्दलीय रहते हुए भी वे भाजपा के करीब रहे और 2022 चुनाव से पहले औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल हो गए। पार्टी ने उन पर भरोसा जताते हुए टिकट दिया, जिसे उन्होंने जीत में बदल दिया।कैड़ा के मंत्री बनने से भीमताल समेत पूरे पर्वतीय क्षेत्र में विकास की रफ्तार तेज होने की उम्मीद जताई जा रही है। लंबे समय से उपेक्षित इलाकों में बुनियादी सुविधाओं और कनेक्टिविटी को लेकर जनता को अब ठोस पहल की उम्मीद है।

वीवीआईपी भ्रमण के साथ-साथ ईद पर्व के मद्देनजर कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता में शामिल

हल्द्वानी (संवाददाता)। /रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी के प्रस्तावित नैनीताल भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत कुमायूँ परिक्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक एवं बहु-स्तरीय तैयारियाँ की गई हैं। वीवीआईपी भ्रमण के साथ-साथ ईद पर्व के मद्देनजर कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता में शामिल है, जिसके लिए सभी संबंधित इकाइयों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।इसी क्रम में रिद्धिम अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक कुमायूँ द्वारा ड्यूटी पर तैनात समस्त पुलिस बल को विस्तृत ब्रीफिंग दी गई। ब्रीफिंग के दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी पुलिसकर्मी निर्धारित वर्दी में ही ड्यूटी करेंगे तथा वीवीआईपी ड्यूटी के दौरान अनुशासन, सतर्कता, संयम एवं प्रोफेशनल व्यवहार का विशेष ध्यान रखा जाएगा।आईजी कुमायूँ ने बताया कि जनपद नैनीताल द्वारा मांगे गए पुलिस बल की पूर्ण उपलब्धता पुलिस मुख्यालय एवं रेंज स्तर से सुनिश्चित कर दी गई है। सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए उत्तराखण्ड एटीएस (Anti Terrorist Squad) को भी तैनात किया गया है, जिससे किसी भी संभावित सुरक्षा चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

(अवकाश सूचना)

समस्त सम्मानित पाठक बन्धुओं को ईद–उल–फितर की हार्दिक शुभकामानाओं के साथ सूचित किया जाता है कि दिनॉक 22.03.2026 को ईद–उल–फितर का अवकाश होने के कारण समाचार पत्र के आगामी अंक का प्रकाशन दिनॉक 23.03.26 को प्रकाशित किया जायेगा।

आज्ञा से संपादक

सम्पादकीय

प्रस्ताव पारित होने की संभावना नहीं

अविश्वास प्रस्ताव ओम बिरला के खिलाफ के जारी एवं गहराती गई शिकायतों को ऑन- रिकॉर्ड लाने की विपक्ष की कोशिश का हिस्सा है। वरना, विपक्ष भी अवगत रहा है कि इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना नहीं है।संसदीय लोकतंत्र में पीठासीन अधिकारी पर सदन का कोई पक्ष अविश्वास जताए, तो उस पर खेद ही प्रकट किया जा सकता है। लेकिन भारत अभी ऐसे ही अफसोसनाक दौर में है। हाल के वर्षों में विपक्षी दलों में यह शिकायत गहराती चली गई है कि संसद के दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों के लिए सत्ताधारी दल की प्राथमिकताएं संसदीय मर्यादा से अधिक अहम हो गई हैं। दोनों सदनों में इल्जाम लगाए जा चुके हैं कि पीठासीन अधिकारी सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के ष्एजेंटष् के रूप में काम कर रहे हैं।लोकसभा में तो एक मौके पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने खुलेआम कहा था कि प्रध ानमंत्री और विपक्षी नेताओं से मुलाकात के दौरान स्पीकर ओम बिरला का व्यवहार और हाव-भाव अलग-अलग होता है। तृणमूल कांग्रेस के एक सदस्य ने इल्जाम लगाया था कि बिरला सत्ता पक्ष के सदस्यों को नेहरू युग की घटनाओं का उल्लेख करने की इजाजत देते हैं, लेकिन विपक्ष के सदस्य अगर नोटबंदी जैसी अपेक्षाकृत हालिया घटनाओं का जिक्र करें, तो उसे कार्यवाही से निकाल देते हैं। ऐसे आरोपों की शृंखला बहुत लंबी हो चुकी है। बिरला के खिलाफ के विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को इसी संदर्भ में देखा जाएगा।इसे जारी एवं गहराती गई शिकायतों को ऑन- रिकॉर्ड लाने की विपक्ष की कोशिश का हिस्सा माना जाएगा। वरना, विपक्षी दल भी वाकिफ रहे हैं कि सदन का गणित उनके पक्ष में नहीं है और इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना नहीं है। प्रस्ताव पर बहस से पहले प्रधानमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री ने बिरला का जोरदार बचाव कर स्पष्ट कर दिया कि सत्ता पक्ष मजबूती से उनके हक में खड़ा है। अतः सत्ता पक्ष में इस पर किसी पुनर्विचार की संभावना तक नहीं है कि आखिर विपक्ष इस हद तक क्यों गया और क्या उसकी शिकायतों को दूर करने के लिए कुछ किया जाना चाहिए? नतीजतन, स्पीकर के खिलाफ विपक्ष की आपत्तियां संभवतः यथावत बनी रहेंगी, जिनका साया सदन की आगे की कार्रवाहियों पर पड़ता रहेगा।

यूकेडी ने मंत्रीमंडल विस्तार पर उठाए सवाल

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड क्रांति दल के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जयप्रकाश उपाध्याय ने उत्तराखंड मंत्रीमंडल के विस्तार को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कि पुष्कर सिंह धामी अपनी कैबिनेट का विस्तार तब कर रहे हैं, जब राज्य में चुनाव आ रहे है। मुख्यमंत्री को उत्तराखंड के लोगों से कोई लेना देना नहीं है, उन्होंने आगामी चुनाव के मध्य नजर अपनी कैबिनेट का विस्तार किया है। यदि वह राज्य के प्रति संवेदनशील होते तो वह अपने 13 मंत्रियों को चार वर्ष पूर्व समय पर शपथ दिलाते और उनको विभागों का आवंटन करते। उत्तराखंड क्रांति दल भारतीय जनता पार्टी और पुष्कर सिंह धामी से राज्य की जनता को श्वेत पत्र जारी करते हुए बताना चाहिए कि उन्होंने गत चार सालों तक मंत्रिमंडल का विस्तार क्यों नहीं किया। उसके क्या कारण थे। उन्हें मंत्रिमंडल विस्तार की याद कैसे आई और अब उन्होंने मंत्रिमंडल विस्तार किया जब भाजपा के संगठन में विद्रोह की स्थिति पैदा हो गई स उत्तराखंड क्रांति दल का मानना है कि इस मंत्रिमंडल विस्तार से राज्य की जनता को कोई लाभ नहीं मिलने वाला नहीं है और जनता समझ गई है भारतीय जनता पार्टी राज्य की हितेषी नहीं हैस वह जनता में भ्रम में फैला कर राज करना चाहती है।

विद्युत क्षेत्र में भारत के नेतृत्वकारी क्षमता की राह बुलंद करना: नई विकास गाथा को ऊर्जा प्रदान कर रहा है भारत

मनोहर लाल

प्राचीन प्रार्थना तमसो मा ज्योतिर्गमय - अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो - केवल आध्यात्मिक आकांक्षा भर नहीं, अपितु आधुनिक भारत की गाथा को भी दर्शाती है। बीते दशक में, कभी लगातार कमी से परिभाषित होने वाले विद्युत इकोसिस्टदम को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते, सबसे वैविध्यिपूर्ण और सुध ार-प्रेरित विद्युत बाजारों में से एक में परिवर्तित कर हमने इस आदर्श भावना को वास्तविकता में बदल दिया है।जैसे-जैसे भारत स्वयं को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र, उभरती हुई डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित कर रहा है, वैसे-वैसे विद्युत क्षेत्र हमारी राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता की आधारशिला बन गया है। पिछले दशक में, हमने उत्पादन और पारेषण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे राष्ट्रीय ऊर्जा की कमी वित्त वर्ष 2013-14 में 4.2 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 तक मात्र 0.03 प्रतिशत रह गई है। केवल वित्त वर्ष 2025-26 में ही (जनवरी 2026 तक), सभी स्रोतों से रिकॉर्ड 52.53 गीगावाट क्षमता जोड़ी गई है, जो एक ही वर्ष में जोड़ी गई अब तक की सर्वाधिक क्षमता है, जिसने 2024-25 में स्थापित 34.05 गीगावाट के पिछले सर्वोच्च स्तर को भी पार कर लिया है। कुल विद्युत उत्पादन वित्त वर्ष 2014 में 1,020.2 बीयू से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 1,830 बीयू हो गया है। प्रति व्यक्ति खपत 2014 में 957 किलोवाट-घंटे से बढ़कर 2025 में 1,460 किलोवाट-घंटा हो गई है, जो आर्थिक विकास और बेहतर पहुँच को दर्शाती है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि हर घर, खेत और उद्योग के पास उसकी आवश्यकता के अनुसार विश्वसनीय विद्युत उपलब्धघ हो और भारत अब दुनिया में विद्युत का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता बन गया है।द्यपि हम 520 गीगावाट से अधिक विद्युत उत्पानदित करने में सक्षम हैं, लेकिन किसी भी प्रणाली की असली परीक्षा अधिकतम मांग या पीक लोड को बिना किसी तरह के संचालनात्मक दबाव के संभाल सकने की उसकी क्षमता होती है। साल 2024 की गर्मियों में अधि कतम मांग रिकॉर्ड 250 गीगावाट तक पहुँच गई थी और वित्त वर्ष 2025-26 में यह 242.49 गीगावाट रही। इससे पहले मांग में इस तरह की वृद्धि से ग्रिड पर दबाव पड़ सकता था, लेकिन हमारे लोड डिस्पैच केंद्रों ने लगभग शून्य ऊर्जा हानि के साथ इसे सफलतापूर्वक प्रबंधित किया। यह मजबूती दुनिया के सबसे बड़े समकालिक ग्रिडों में से एक के कारण संभव हुई है, जिसमें 120 गीगावाट अंतर-क्षेत्रीय स्थानांतरण क्षमता है, जो देश को एक राष्ट्र-एक ग्रिड-एक फ्रीक्वेंसी में एकीकृत करती है। प्रेरणादायक बात केवल यह नहीं है कि हम कितनी विद्युत का उत्पाषदन करते हैं, बल्कि यह भी है कि हम उसे कैसे उत्पानदित करते हैं। गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित क्षमता का अंश तेजी से बढ़ा है, जिसकी बदौलत भारत 50 प्रतिशत संचयी गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित विद्युत क्षमता हासिल करने के अपने एनडीसी लक्ष्य को निर्धारित समय से लगभग पाँच वर्ष पहले ही हासिल करने में समर्थ हो सका है। यह स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और जलवायु के प्रति हमारी संकल्पिबद्धता को दर्शाता है।2014 से, मिशन मोड योजनाओं के माध्यम से विद्युत क्षेत्र को नए रूप में ढाला गया है, जिन्होंने पहुँच का विस्तार करते हुए सतत परिवर्तन को भी गति दी है। दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना ने भारत के हर गांव तक बिजली पहुँचायी, इसके बाद सौभाग्य योजना आई, जिसने लाखों घरों को बिजली से रोशन किया और ऊर्जा तक पहुँच को सभी के लिए वास्तविकता बना दिया। एक अन्य परिवर्तनकारी सुधार सितंबर 2025 में समान आईएसटीएस सबस्टेशनों पर सौर और गैर-सौर घंटों के लिए अलग-अलग कनेक्टिविटी की शुरुआत है। सौर परियोजनाओं को सौर घंटों के दौरान पहुँच मिलती है, जबकि भंडारण और पवन परियोजनाओं को गैर-सौर घंटों में पहुँच मिलती है। इससे बड़ी मात्रा में अप्रयुक्त पारेषण क्षमता का उपयोग संभव होता है, अतिरिक्त लाइनों की आवश्यकता के बिना नवीकरणीय और भंडारण परियोजनाओं के कमीशनिंग में तेजी आती है, पारेषण लागत घटती है और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होता है।

डिजिटल सशक्तिकरण हमारे आधुनिकीकरण की गाथा का महत्वपूर्ण अंश है। संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत 3.03 लाख करोड़ रुपये के खर्च के साथ हम पूरे देश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लागू कर रहे हैं, जिससे उपयोगिताओं और नागरिकों के बीच संबंधों में परिवर्तन आ रहा है। इस योजना के सकारात्मक परिणाम भी सामने आ चुके हैं: एटी एंड सी हानियां 2021 में 21.91 प्रतिशत से घटकर 2025 में 15.04 प्रतिशत हो गई हैं, और प्रति यूनिट आपूर्ति पर अंडर-रिकवरी 69 पैसे से घटकर 6 पैसे रह गई है। जैसे-जैसे हमारी डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, भविष्य की मांग का पूर्वानुमान लगाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि वर्तमान मांग का प्रबंधन करना। डेटा सेंटर की क्षमता 2030 तक 1.4 गीगावाट से बढ़कर 9 गीगावाट होने का अनुमान है, और केवल ये सुविधाएँ ही भारत की कुल विद्युत खपत के लगभग 3 प्रतिशत का उपयोग कर सकती हैं। हमारा अगला लक्ष्य एआई, अनुसंधान एवं विकास और अन्य प्रौद्योगिकी-संचालित इकोसिस्टम से उत्पन्न विद्युत की विशाल और लगातार बढ़ती मांग को निरंतर रूप से पूरा करना है। जैसे-जैसे नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार हो रहा है, ऊर्जा भंडारण अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत तेजी से बढ़ती डिजिटल अवसंरचना को स्वच्छ ऊर्जा से संचालित करने के लिए पम्प्ड स्टोरेज परियोजनाओं और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों का बड़े पैमाने पर विकास कर रहा है। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन भारत को स्वच्छ ईंधनों के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है, ग्रिड स्थिरता और नवीकरणीय ऊर्जा की अधि क पैठ को बढ़ावा दे रहा है। हम परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में भी निर्णायक कदम उठा रहे हैं, जो कम कार्बन और विश्वसनीय पावर मिक्सप का एक आवश्यक हिस्सा है। 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु क्षमता का हमारा लक्ष्य और स्ह्न्ज्जद्ध अधिनियम, 2025, हमारी तकनीकी संप्रभुता को प्रमाणित करते हैं और निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए कानूनी व नीतिगत ढाँचा तैयार करते हैं। अब हमें जो चाहिए, और जिसे यह समिट उत्प्रेरित कर सकता है, वह है तकनीक, वित्त और आपूर्ति श्रृंखलाओं में वैश्विक साझेदारियाँ। विकसित भारत को ऊर्जा प्रदान करने, ग्लौबल साउथ में विद्युतीकरण को तेज करने और मजबूत, भविष्य-सक्षम ऊर्जा तंत्र बनाने के लिए, हमें महत्वाकांक्षा तक सीमित न रह कर, समन्वित कार्रवाई की दिशा में आगे बढ़ना होगा। यही वह समय है जब सरकारें, उद्योग जगत के दिग्गज, नवप्रवर्तनकर्ता और वैश्विक साझेदार मिलकर एक ऐसी नई ऊर्जा संरचना का निर्माण करेंख्रजो स्वच्छ, विश्वसनीय, डिजिटल रूप से एकीकृत और वैश्विक रूप से आपस में जुड़ी हुई हो। भारत को सीमा-पार विद्युत सहयोग का नेतृत्व करना चाहिए; अगली पीढ़ी के पारेषण, डिजिटल ग्रिड इंटेलिजेंस और ओएसओडब्ल्यूओजी -सरेंखित बाजार तंत्र में साहसपूर्वक निवेश करना चाहिए; और डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोपावर नवाचार, लचीले गैस संसाधनों और स्वच्छ ऊर्जा का त्वरित उपयोग करना चाहिए। इस गति को ट्रांसमिशन सिस्टम ऑपरेटर और डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम ऑपरेटर के बीच मजबूत समन्वय और 2047 तक के लिए एकीकृत पावर सेक्टर रोडमैप द्वारा और भी सुदृढ़ किया जाना चाहिए, जो भारत को मजबूत, टिकाऊ और किफायती विद्युतीकरण का वैश्विक मॉडल बनाए। इस पृष्ठभूमि में, नई दिल्ली में आयोजित भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 विशेष महत्व रखता है। यह ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है जब राष्ट्र टिकाऊ, सुरक्षित और प्रौद्योगिकी-संचालित विद्युत तंत्र की दिशा में अपने संक्रमण को तेज कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार...

गुलदार की चहलकदमी से ग्रामीणों में भय

ऋषिकेश(संवाददाता)। चकजोगीवाला क्षेत्र में एक बार फिर गुलदार की चहलकदमी से ग्रामीणों में भय का माहौल है। बड़कोट रेंज से सटे इस इलाके में बुधवार देर रात गुलदार देखे जाने की घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम प्रधान मेहर सिंह असवाल के खेतों में गुलदार घुस आया था। इसी दौरान खेत में मौजूद निराश्रित पशु के शोर की आवाज सुनकर पास ही रहने वाले लक्की असवाल छत पर चढ़ गए और जोर-जोर से शोर मचाया। शोर सुनते ही गुलदार घबरा गया और शिकार को छोड़कर खेत से भाग निकला। यह पूरी घटना वीडियो में भी कैद हुई है। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व भी इसी क्षेत्र में गुलदार ने ग्राम प्रधान मोहर सिंह असवाल के घर के आंगन से एक कुत्ते को उठा लिया था। लगातार हो रही इन घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। चकजोगीवाला ग्राम प्रधान मोहर सिंह असवाल ने कहा कि क्षेत्र में गुलदार की बढ़ती गतिविधियों के चलते बच्चों और पशुओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और गुलदार को पकड़ने की मांग की है, ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

संवाद से उत्तराखंड में खुलेंगे रोजगार नये रास्ते: निशंक

ऋषिकेश(संवाददाता)। थानो स्थित लेखक गांव में शुक्रवार से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय समुद्री सम्मेलन "आरोहण इंटरनेशनल मैरीटाइम कॉन्फ्रेंस 2026" का आगाज हुआ। इस सम्मेलन में सात देशों के 200 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इनमें वैश्विक शिपिंग कंपनियों के अधिकारी, उद्योग विशेषज्ञ और नीति-निर्माता शामिल हैं। सम्मेलन का शुभारंभ पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री और लेखक गांव के संरक्षक डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने किया। उन्होंने कहा कि देहरादून अब अंतरराष्ट्रीय समुद्री संवाद का नया केंद्र बन रहा है और इस आयोजन से उत्तराखंड में निवेश व नवाचार के नए अवसर खुलेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य राज्य में शिपिंग कंपनियों की स्थापना को बढ़ावा देना और रोजगार के नए मौके पैदा करना है। कार्यक्रम के दौरान "देवभूमि समुद्र रत्न सम्मान" भी दिया जाएगा, जिसमें समुद्री क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। सम्मेलन का आयोजन इंटीग्रेटेड मैरीटाइम एक्सचेंज ने 'शिपफिनेक्स' और 'जेमिनी ग्रुप' के सहयोग से किया है। साथ ही आईसीएस मिडिल ईस्ट ब्रांच की ओर से एक अंतरराष्ट्रीय शिपिंग वर्कशॉप भी आयोजित की जा रही है। मुख्य वक्ता के रूप में पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के उप सचिव राजेश असाटी ने समुद्री क्षेत्र की चुनौतियों और संभावनाओं पर अपने विचार रखे। सम्मेलन में समुद्री व्यापार के कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हो रही है, जिनमें शिपिंग में एआई के उपयोग, मिडिल ईस्ट संकट का असर, एलपीजी और एलएनजी शिपिंग, पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, नाविकों के मानसिक स्वास्थ्य और उत्तराखंड में शिपिंग इकोसिस्टम के विकास की संभावनाएं शामिल हैं।

एसआरएचयू के ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुरू

ऋषिकेश(संवाददाता)। एसआरएचयू जौलीग्रांट ने यूजीसी-एंटाइटल्ड ऑनलाइन स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। विवि द्वारा शैक्षणिक सत्र जनवरी फरवरी 2025-26 के लिए बीकॉम, बीबीए, बीसीए (स्नातक) तथा एमबीए, एमसीए (स्नातकोत्तर) कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से संचालित किए जा रहे हैं। सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड आनलाइन एजुकेशन (सीडीओई) के निदेशक डॉ. मुकेश बिजलवान ने बताया कि सभी कार्यक्रम विवि अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रचलित विनियमों के अनुरूप हैं और पारंपरिक डिग्री के समकक्ष पूर्णत: मान्य हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 30 मार्च 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया, पात्रता मानदंड, शुल्क संरचना एवं अन्य विस्तृत जानकारी विवि की आधिकारिक वेबसाइट ूतीनवदसपदम.बवउ पर उपलब्ध है। ड्यूल डिग्री का भी अवसरविवि विद्यार्थियों को यूजीसी दिशा-निर्देशों के अनुरूप एक साथ दो डिग्री (ड्यूल डिग्री) अर्जित करने का अवसर भी दे रहा है।

श्यामपुर में हादसे में युवक की मौत पर केस

ऋषिकेश(संवाददाता)। श्यामपुर में हरिद्वार-ऋषिकेश नेशनल हाईवे को पार करते समय अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत के मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक यह घटना 17 मार्च की है। लक्ष्मी देवी निवासी विस्थापित पशुलोक ब्लॉक-बी, ऋषिकेश ने तहरीर दी। बताया कि उनके पति दीन सिंह रावत श्यामपुर में हाईवे को क्रॉस कर रहे थे। इसी बीच उन्हें अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी। इलाज के दौरान एम्स ऋषिकेश में उनकी मौत हो गई। कोतवाल कैलास चंद्र भट्ट ने बताया कि वाहन की पहचान के लिए घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को चेक किया जा रहा है।

धामी मंत्री मंडल का विस्तार पांच नए मंत्री बने

- राज्यपाल गुरमीत सिंह ने मंत्रिपरिषद के नवनियुक्त मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई

देहरादून(संवाददाता)। पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली उत्तराखंड सरकार में लंबे समय से प्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार आखिरकार आज संपन्न हो गया। इस विस्तार के तहत धामी कैबिनेट में पांच नए चेहरों को शामिल किया गया, जिससे सरकार को राजनीतिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने में मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। राजभवन में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल गुरमीत सिंह ने नव नियुक्त मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में सरकार के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे। मंत्रिमंडल में शामिल किए गए नेताओं में राजपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक खजन दास, रुद्रप्रयाग क्षेत्र से भारत सिंह चौधरी, हरिद्वार से वरिष्ठ नेता मदन कौशिक, रुड़की से विधायक प्रदीप बत्रा तथा कुमाऊं क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए मदन सिंह खेड़ा को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस विस्तार के साथ ही राज्य में लंबे समय से खाली चल रहे मंत्रियों के पांचों पदों को भर दिया गया है। माना जा रहा है कि इससे सरकार के कार्यों में तेजी आएगी और विभिन्न क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व मिलने से विकास कार्यों को गति मिलेगी। शपथ ग्रहण समारोह की एक विशेष झलक तब देखने को मिली जब भारत सिंह चौधरी ने संस्कृत भाषा में शपथ ली, जबकि अन्य सभी मंत्रियों ने हिंदी में शपथ ग्रहण की। यह पल समारोह में उपस्थित लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। राजनीतिक दृष्टि से इस मंत्रिमंडल विस्तार को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस विस्तार के माध्यम से संगठन और सरकार के बीच संतुलन बनाने के साथ-साथ आगामी राजनीतिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय और जातीय समीकरणों को साधने की कोशिश की है। अब देखना होगा कि नए मंत्रियों को कौन-कौन से विभाग सौंपे जाते हैं और वे अपने दायित्वों का निर्वहन किस प्रकार करते हैं। राज्य की जनता को इस विस्तार से विकास कार्यों में तेजी और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था की उम्मीद है।

सीएस व पर्यटन सचिव से मिले तीर्थपुरोहित, यमुनोत्री धाम की समस्याएं बताई

उत्तरकाशी(संवाददाता)। यमुनोत्री धाम में विगत वर्ष की आपदा से हुए नुकसान के बाद सुरक्षात्मक कार्य अब तक धरातल पर नहीं उतर पाए। इस संबंध में श्री यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रतिनिधिमंडल ने देहरादून में मुख्य सचिव व पर्यटन सचिव से मुलाकात कर उन्हें यमुनोत्री धाम की समस्याओं से अवगत कराया। साथ ही समाधान की मांग को लेकर ज्ञापन भी सौंपा। तीर्थपुरोहितों ने बताया कि आपदा में स्नान घाट, पुजारी निवास, रसोई भंडार, शौचालय और घाट के पुल बह गए, जिससे धाम में अव्यवस्था बनी हुई है। पुष्कर सिंह धामी की ओर से निरीक्षण के बावजूद कार्य शुरू नहीं हुआ। प्रतिनिधिमंडल ने यमुना घाट के दोनों ओर सुरक्षा दीवार निर्माण, गरूड़ गंगा हेलीपेड के विस्तार, खरसाली-यमुनोत्री रोपवे (2023 से लंबित) को शीघ्र पूरा करने तथा खरसाली से गरूड़ गंगा के लिए वैकल्पिक मार्ग बनाने की मांग उठाई। प्रतिनिधिमंडल में सचिव सुनील उनियाल, उपाध्यक्ष संजीव उनियाल, प्रदीप उनियाल, गौरव उनियाल और पुरुषोत्तम उनियाल शामिल रहे।

डोईवाला में हुआ युवा संसद का आयोजन

डोईवाला संवाददाता। शहीद दुर्गा मल्ल राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय डोईवाला में जनपद स्तरीय विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट कार्यक्रम का आयोजित किया गया। कार्यक्रम की सभी तैयारियां प्राचार्य प्रोफेसर डी पी भट्ट

के संरक्षण में विभिन्न समितियों द्वारा पूर्ण की गई। कार्यक्रम का आयोजन दो सत्रों में किया गया। प्रात:कालीन सत्र की मुख्य अतिथि राज्य सेवा योजना अधिकारी डॉ सुनैना रावत रही। सांयकालीन सत्र में मुख्य अतिथि विधायक डोईवाला बृजभूषण गैरोला एवं विशिष्ट अतिथि राज्य सेवा योजना समन्वयक श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय गौरव वार्ष्णेय रहे। इसी सत्र में विद्यार्थियों के लिए श आपातकाल के 50 वर्ष: भारतीय लोकतंत्र के लिए सीख श शीर्षक पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके निर्णायक मंडल में पूर्व न्यायाधीश जयदेव सिंह, उपनिदेशक मेरा युवा भारत मोनिका नंदल, डॉ राखी पंचोला, डॉ विक्रम सिंह बर्थवाल, वरुण मंगल, रहे। इस प्रतियोगिता में देहरादून जिले से प्रथम स्थान शगुन चौहान, द्वितीय प्रगति नेगी, तृतीय मेघा शर्मा, सांत्वना प्रथम अभिनव बंसल एवं सांत्वना द्वितीय महक ने अर्जित किया। पांचों विजेता राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता, युवा संसद के लिए चयनित हो गए हैंमहाविद्यालय में इस कार्यक्रम का आयोजन एनएसएस की वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ किरण जोशी , एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ शिव कुमार लाल एवं समिति के द्वारा किया गया।

धामी सरकार का बड़ा दांव: स्थिरता और मजबूत नेतृत्व का संदेश

देहरादून(संवाददाता) उत्तराखंड की राजनीति में लंबे समय से चली आ रही नेतृत्व परिवर्तन की परंपरा को तोड़ते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक बार फिर मजबूत राजनीतिक संदेश दिया है। कार्यकाल के अंतिम वर्ष में जहां आमतौर पर नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तेज हो जाती थीं, वहीं धामी सरकार ने मंत्रिमंडल विस्तार कर यह स्पष्ट कर दिया है कि राज्य में अब स्थिरता और प्रदर्शन आधारित राजनीति को प्राथमिकता दी जा रही है। धामी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी पहले ही मुख्यमंत्री को दोबारा मौका देकर एक नई राजनीतिक परंपरा की शुरुआत कर चुकी है। अब पांचवें वर्ष में किया गया यह मंत्रिमंडल विस्तार इस बात का संकेत है कि सरकार किसी भी तरह के प्रयोग के बजाय निरंतरता और विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है। मंत्रिमंडल में शामिल किए गए नए चेहरों में भीमताल से विधायक राम सिंह कैड़ा, राजपुर रोड (देहरादून) से खजान दास, रुड़की से प्रदीप बत्रा, रुद्रप्रयाग से भरत सिंह चौधरी तथा हरिद्वार से मदन कौशिक शामिल हैं। इन नेताओं के शामिल होने से क्षेत्रीय संतुलन साधने के साथ-साथ संगठनात्मक मजबूती भी बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह विस्तार केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक रणनीतिक कदम है। इससे जहां एक ओर सरकार के कामकाज में तेजी आएगी, वहीं दूसरी ओर आगामी चुनावों को देखते हुए पार्टी संगठन और सरकार के बीच तालमेल भी मजबूत होगा। मुख्यमंत्री धामी को केंद्रीय नेतृत्व का भी पूरा समर्थन प्राप्त है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

शिक्षकों की कमी का खमियाजा भुगत रहे जीआईसी अखोड़ी के वाले छात्र

नई टिहरी(संवाददाता)। आदर्श राजकीय इंटर कॉलेज अखोड़ी प्रवक्ताओं की कमी से जूझ रहा है। जिसका खमियाजा विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है। शिक्षकों की नियुक्ति न होने पर अभिभावक संघ ने नये सत्र से कॉलेज में तालाबंदी की चेतावनी दी है। राज्य आंदोलनकारी व उत्तराखंड के गांधी से नाम से प्रसिद्ध स्व० इंद्रमणी बडोनी के गांव अखोड़ी के आदर्श राजकीय इंटर कॉलेज आखोड़ी में गत कई वर्षों से गणित, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र के प्रवक्ताओं के साथ प्रधानाचार्य का पद भी खाली है। अभिभावक संघ के अध्यक्ष व जिला पंचायत सदस्य विक्रम सिंह घणाता ने कहा कि स्व० इंद्रमणी बडोनी के नेतृत्व में अगल राज्य उत्तराखंड की लड़ाई लड़ी गई। लेकिन दुर्भाग्य है, कि उनके गांव का विद्यालय शिक्षकों की कमी से जूझ रहा है। बताया विद्यालय में 413 से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। प्रधानाचार्य का पद गत तीन वर्षों से रिक्त चल रहा है। गणित, अंग्रेजी और अर्थशास्त्र का गत कई वर्षों से रिक्त पड़े हैं। बताया अभिभावक संघ और अभिभावकों ने गत वर्षों में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए आमरण अनशन तक किया। शासन-प्रशासन की ओर से शीघ्र शिक्षकों की तैनाती का आश्वासन देने के बाद आमरण अनशन समाप्त किया। लेकिन आज तक शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हो पाई। बताया गत 20 माह से जीव विज्ञान के प्रवक्ता भी छुट्टी पर चल रहे है। इस संबंध में डीएम, सीओ, बीओ तक पत्राचार किया गया, हर बार कोरा आश्वासन मिला। अखोड़ी क्षेत्र का केंद्र बिंदु होने के कारण अखोड़ी, चौंरा, कखेड़ी, बगियाल, कोट, भौड़ सहित कई अन्य गांव के छात्र-छात्राएं पढ़ने के लिए आते हैं, शिक्षकों की कमी के चलते छात्र-छात्राओं का भविष्य चौपट हो रहा है। कहा कि नये सत्र शुरू होने से पूर्व शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होती है, तो एक अप्रैल से विद्यालय में तालाबंदी कर दी जाएगी।नये सत्र में शिक्षकों के स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू होनी होनी है। गेस्ट टीचर भर्ती के साथ शासन स्तर से भी नए शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया होनी है। इसी दौरान जीआईसी अखोड़ी को भी शिक्षकों को मिलने पूरी उम्मीद है। - सुमेर सिंह कैंतुरा, बीईओ भिलंगना।

पृथ्वी का संरक्षण विषय पर आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में श्रेया रही प्रथम

नई टिहरी(संवाददाता)। एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि के स्वामी राम तीर्थ परिसर बादशाहीथौल में वनस्पति विज्ञान विभाग की ओर से दो दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं को पर्यावरणीय स्थिरता और हिमालयी कृषि वानिकी की विस्तृत जानकारी दी गई। एसआरटी परिसर बादशाहीथौल में परिसर निदेशक प्रो. एए बौड़ाई ने शैक्षणिक कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक छात्रों को प्रतिभाग करना चाहिए। वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. एलआर डंगवाल ने बताया कि विभाग की ओर से आयोजित शैक्षणिक कार्यक्रम के प्रथम चरण में पृथ्वी का संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रदर्शनी और प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. आशा डोभाल, डॉ. रविंद्र सिंह और डॉ. आशीष डोगरा रहे। प्रतियोगिता में श्रेया सेमवाल प्रथम, अनुष्का भट्टी और फिजा परवीन तृतीय रही। दूसरे दिन हिमालय में सतत विकास हेतु कृषि-वानिकी विषय पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। इसमें डॉ. भूपेंद्र सिंह बुटोला मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने बताया कि किस प्रकार कृषि-वानिकी सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक है। उन्होंने उत्तराखंड में कृषि-वानिकी के उपयोग, उनके समक्ष आने वाली चुनौतियों, उनके समाधान और इस क्षेत्र में हो रहे नवीनतम शोध कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर प्रो. जेडीएस नेगी, प्रो डीके शर्मा और विशिष्ट पैनल के सदस्य मौजूद रहे। शैक्षिणक कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान के 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस मौके पर डॉ. शिवानी उनियाल, डॉ. पिया रायचौधरी, डॉ. प्रमोद उनियाल, डॉ. प्रियंका उनियाल, डॉ. प्रीति नैथानी, डॉ. मीनाक्षी रावत, उत्तम तोमर और रमेश पंवार आदि मौजूद थे।

पुलिस लाइन में सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद रखें : एसपी

चमोली(संवाददाता)।पुलिस अधीक्षक चमोली सुरजीत सिंह पंवार ने पुलिस लाइन गोपेश्वर का वार्षिक निरीक्षण किया। एसपी ने विभिन्न शाखाओं का गहनता से अवलोकन करते हुए लाइन की सभी व्यवस्थाओं को चाक चौबंद रखने के निर्देश दिए। एसपी ने परिसर की नियमित सफाई रखने के निर्देश दिए। स्टोर निरीक्षण के दौरान एसपी ने कहा कि निष्प्रयोजित के लिए चिह्नित की गई वस्तुओं में जो मरम्मत योग्य हैं उनकी मरम्मत की जाए जो पूरी तरह से अनुपयोगी हो गई हैं उसे ही निष्प्रयोजन की सूची में रखा जाए। शस्त्रागार का निरीक्षण करते हुए कहा कि जिस भी थाने में सामग्री अपर्याप्त है वहां जरूरत के अनुसार अतिरिक्त सामग्री उपलब्ध कराएं। एसपी ने साप्ताहिक परेड के दौरान नियमित रूप से शस्त्राभ्यास और बलवा ड्रिल का अभ्यास कराने के भी निर्देश दिए।

कौलानी गांव में ममंद का गठन, शांति देवी बनीं अध्यक्ष

चमोली(संवाददाता)। गैरसैंण विकासखंड के कौलानी ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान कमला जोशी की अध्यक्षता में हुई बैठक में महिला मंगल दल का गठन करते हुए शांति देवी को अध्यक्ष चुना गया। वहीं कमला जोशी को सचिव, लीला देवी को कोषाध्यक्ष, पार्वती देवी को उपाध्यक्ष, बबीता देवी को सह सचिव, हीरा देवी को महामंत्री बनाया गया।

कार्यकारिणी के गठन के बाद महिलाओं ने प्रथम बैठक का आयोजन किया जिसमें गांव में सार्वजनिक कार्यों में शराबबंदी करने का निर्णय लिया। महिला सशक्तीकरण की अध्यक्ष राधा बिष्ट, नवनियुक्त ममंद अध्यक्ष शांति देवी ने कहा कि सार्वजनिक कार्यों में शराब बंदी होने से जहां शांति से सभी कार्य होंगे वहीं कार्यों में ग्रामीणों की सहभागिता भी बढ़ेगी।

सीएचसी और पीएचसी में 20 बान्डधारी डॉक्टरों को मिली तैनाती

नई टिहरी(संवाददाता)। जिले के सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 21 से 20 डॉक्टरों की तैनाती हो गई है। सभी डॉक्टरों की 31 मार्च तक जूनियर रेजिडेंट (जेआर) शिप पूरी हो जाएगी। एक अप्रैल से वह अपने तैनाती स्थलों पर विधिवत सेवाएं देंगे। नए बॉन्डधारी डॉक्टरों की तैनाती से जिले की स्वास्थ्य सुविधा में सुधार होगा। वहीं, चारधाम यात्रा के दौरान पर्यटकों को भी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य विभाग ने अधिकांश डॉक्टरों की तैनाती चारधाम यात्रा मार्ग के साथ दूर-दराज के स्वास्थ्य केंद्र पर की गई है। एसीएमओ जितेंद्र भंडारी ने बताया कि 21 में 20 डॉक्टरों की तैनाती कर दी गई है। एक डॉक्टर के जल्द ज्वॉइन करने की उम्मीद है। बताया, गत माह संपन्न साक्षात्कार में टिहरी को 21 डॉक्टर मिले हैं। जिसमें डॉ० अमित कुमार, डॉ० अलका रानी, डॉ० अनुप्रिया सिंह, डॉ० रोहन चौहान को सीएचसी कीर्तिनगर, डॉ० प्राची तिवारी पीएचसी टाइप-ए खवाड़ा, डॉ० अभिषेक व्यास सीएचसी प्रतापनगर, डॉ० काजोल सजवाण पीएचसी टाइप-ए रणाकोट, डॉ० राखी प्रजापति, डॉ० सृष्टि भंडारी, डॉ० सरिता, डॉ० प्रियंका बिष्ट को सीएचसी हिंडोलाखाल, डॉ० अनिशा मलिक को पीएचसी टाइप-ए गजा, डॉ० तमन्ना मंसूरी सीएचसी छाम, डॉ० आदित्य राज पीएचसी कंडीखाल मंगरौं, डॉ० ऋषभ उनियाल पीएचसी टाइप-ए जखंड, डॉ० सार्थक थपलियाल सीएचसी मदन नेगी, डॉ० विपुल मैठाली पीएचसी टाइप-ए अंजनीसैंण, डॉ0 निखिल प्रताप राणा पीएचसी टाइप बी-डोबरा पुल से संबद्ध जिला अस्पताल बौराड़ी, डॉ0 दीपिका चौहान को सीएचसी खाड़ी, डॉ गरिमा जुगरान को पीएचसी फकोट तैनाती दी गई है।

युद्ध प्रभावित देशों से जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर पर संपर्क करें: डीएम

नई टिहरी(संवाददाता)। युद्ध प्रभावित खाड़ी देशों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए सरकार की ओर से जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने कहा कि जिले का कोई भी व्यक्ति खाड़ी देशों में फंसा हुआ है तो संबंधित से समन्वय बनाकर उसकी सूचना उपलब्ध कराएं। जिससे उनकी सुरक्षित घर वापसी के लिए अग्रिम कार्रवाई जा सके। डीएम नितिका खंडेलवाल ने अधिकारियों की बैठक लेते हुए कहा कि ईरान युद्ध के कारण खाड़ी देशों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा के लिए, सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है। खाड़ी देशों में रह रहे टिहरी जिले के निवासी किसी समस्या में फंसे हुए हैं तो उसका नाम, पितां का नाम, जिले का नाम प्रवासी के साथ रहने वाले परिजनों का नाम, पता, मोबाइल नंबर, संबंधित देश का नाम, वहां का पता, पासपोर्ट नंबर सहित अन्य सभी जानकारी दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर उपलब्ध कराएं। डीएम ने कहा कि सीएम पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर टिहरी जिले के निवासियों की सुरक्षा और सुरक्षित घर वापसी के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं।युद्धग्रस्त खाड़ी देशों की जानकारी के लिए इन टोलफ्री नंबरों पर करें संपर्कनई टिहरी आपदा कंट्रोल रूम नंबर- 01376-234793, 01376-233433, 9456533332, 8126268098, 7465809009, 7983340807। सऊदी अरब का टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 00-966-11-4884697, बहरीन 9733948071, 97338400433 और यूएई के इस 971-2-4492700 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

वाहन दुर्घटना में चार घायल

नई टिहरी(संवाददाता)। थाना क्षेत्र के देवली लिंक रोड से आगराखाल की ओर जा रही एक कार कखिल गांव के पास अनियंत्रित होकर 100 मीटर नीचे खाई में गिर गई। जिससे कार सवार गिरीश प्रसाद (38) पुत्र भुवनेश्वर प्रसाद जोशी और रमेश प्रसाद (45) पुत्र बचन लाल जोशी दोनों निवासी देवली डांगर आगराखाल गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों का रेस्क्यू कर 108 सेवा से संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया। पुलिस उप निरीक्षक भगवती प्रसाद बहुगुणा ने बताया कि दोनों घायल खतरे से बाहर हैं। दोनों अपने कार्य से कखील गांव जा रहे थे। गांव पहुंचने से 50 मीटर पहले ही कार खाई में गिर गई। दूसरी घटना यहां प्लास्डा चौकी के पास पॉलिटेक्नीक कॉलेज गेट पर हुई। वहां टेंपो ट्रेवलर और कार की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। घायलों को 108 सेवा से अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस उप निरीक्षक सत्येंद्र नेगी ने बताया कि प्राथमिक उपचार के टेंपो ट्रैवलर चालक अरुण शर्मा (46)पुत्र टेक चंद्र शर्मा निवासी एकता बिहार रामपुर उत्तर प्रदेश और कार चालक आशीष शर्मा (32) पुत्र जीवन शर्मा निवासी कैनाल रोड थाना रायपुर देहरादून हायर सेंटर रेफर किया गया।

एनएच के अधिकारी तत्काल करें समस्याओं का निस्तारण : एडीएम

नई टिहरी(संवाददाता)। राष्ट्रीय राजमार्ग 507 के चौड़ीकरण किए जाने को लेकर काश्तकारों की अर्जित की गई भूमि की तहसील नैनबाग में अपर जिलाधिकारी अवधेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में सुनवाई संपन्न हुई। एडीएम ने एनएच बड़कोट के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से काश्तकारों की समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। एडीएम ने बताया कि नैनबाग क्षेत्र के खरसोन क्यारी, घिल्डीचक, सुमन क्यारी, टटोर,खैराड, मरोड़,भूटगांव कुल 7 गांवों के काश्तकारों की भूमि राष्ट्रीय राजमार्ग दिल्ली-यमुनोत्री के किलोमीटर 53 से किलोमीटर 59 तक अर्जित की गई थी। बताया कुल 8880 स्क्वायर मीटर भूमि सड़क के उपयोग में लिया गया है। उन्होंने अधिकारियों से अगली सुनवाई तक सभी समस्याएं निस्तारित करने को कहा। इस मौके पर तहसीलदार विरम सिहं पंवार, निशांत कंबोज, भपेंद्र सिंह राणा, बलदेव सिंह तोमर, धनीलाल, नीलम आदि मौजूद थे।

हैकाथॉन युक्ति 2026 में धवल गिरी टीम रही प्रथम

नई टिहरी(संवाददाता)। टीएचडीसी के हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज भागीरथीपुरम में 48 घंटे का हैकाथॉन युक्ति 2026 सफलता पूर्वक संपन्न हो गया। संस्थान में यह कार्यक्रम निटकॉन लिमिटेड के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. शरद कुमार प्रधान ने प्रतिभागियों द्वारा 48 घंटे तक निरंतर मेहनत कर समस्याओ का समाधान खोजने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बताया कि हैकाथॉन में 36 टीमों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ग्रुप कॉर्डिनेटर साइबर सिक्योरिटी मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी भारत सरकार तुलिका पांडेय ने कहा कि समस्या का समाधान के लिए उपकरणों का सटीक एवं प्रभावी उपयोग आवश्यक है। उन्होंने प्रतिभागियों को स्वदेशी तकनीकी और वैकल्पिक समाधान को अपनाकर राष्ट्र के सतत विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। निटकॉन के प्रबंध निदेशक सतवेंद्र सिंह ने आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा की जानकारी देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र सेवा होना चाहिए।

सीएम धामी ने किया वाराही धाम देवीधुरा, चम्पावत में आयोजित मंदिर के नव निर्माण कार्य के शिलान्यास कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास से श्री वाराही धाम देवीधुरा, चम्पावत में आयोजित मंदिर के नव निर्माण कार्य के शिलान्यास कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री वाराही धाम के नव-निर्मित कार्यों का शुभारम्भ होना हम सभी के लिए सौभाग्य का क्षण है। उन्होंने कहा माँ वाराही का प्राचीन धाम सदियों से श्रद्धा, आस्था और शक्ति का केंद्र रहा है। वाराही धाम में आयोजित होने वाला बग्वाल मेला हमारी वीरता, परंपरा और सामूहिक आस्था का अद्भुत संगम है। राज्य सरकार ने इसे राजकीय मेला घोषित भी किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां वाराही मंदिर का नव-निर्माण मंदिर को और अधिक भव्य एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करेगा। यह धाम आस्था के साथ विकास और समृद्धि का भी प्रतीक बनेगा। उन्होंने कहा प्रदेश में स्थित चारधाम, शक्तिपीठ, सिद्धपीठ और अन्य मंदिर, हमारी सनातन परंपरा और सांस्कृतिक पहचान के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण एवं पुनरुत्थान का कार्य भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार देवभूमि की सांस्कृतिक विरासत को भव्य रूप प्रदान करने का काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि यह देवभूमि है, यहां देवताओं का वास है, राज्य सरकार देवभूमि की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत को दिव्य,भव्य और सुरक्षित बनाने का अपना काम इसी प्रकार जारी रखेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार, देवभूमि उत्तराखंड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने का कार्य कर रही है। केदारखंड के साथ ही मानसखंड के पौराणिक मंदिरों के सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा चंपावत के बालेश्वर

मंदिर, पाताल रुद्रेश्वर मंदिर और माँ रणकोची मंदिर, मां पूर्णागिरी मंदिर का भी पुनर्विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा चंपावत क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शारदा कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है।179 करोड़ रुपये की लागत से शारदा घाट के पुनर्विकास कार्य का शिलान्यास किया गया है। लगभग 430 करोड़ रुपये की लागत से गोल्ज्यू कॉरिडोर के निर्माण की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोहाघाट के छमनिया में लगभग ६ 10 करोड़ से अधिक की लागत से आधुनिक एथलेटिक सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण, लगभग 257 करोड़ रुपये की लागत से महिला स्पोर्ट्स कॉलेज का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में करीब 15 करोड़ रुपये की लागत से भवन और छात्रावास का निर्माण कार्य चल रहा है।

2135 करोड़ की राशि से होगा कलनगढ़ घाटी का विकास

बागेश्वर(संवाददाता)। आपदा प्रभावित कनलगढ़ घाटी को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए सरकार ने करोड़ों रुपये स्वीकृत किए हैं। आपदा तथा जिला योजना से यहां की सूरत संवारी जाएगी। 2135 करोड़ की राशि क्षेत्र में खर्च होगी। क्षेत्रीय विधायक सुरेश गड़िया 1089.79 लाख की योजना का लोकार्पण व 1045.64 का शिलान्यास किया।

चारधाम यात्रा मार्गों पर समानांतर प्रणाली से भी हो सफाई व्यवस्था : प्रमुख सचिव

देहरादून(संवाददाता)। प्रमुख सचिव, वित्त रमेश कुमार सुधांशु की अध्यक्षता में सचिवालय में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तरीय वायु गुणवत्ता निगरानी समिति की बैठक आयोजित हुई। प्रमुख सचिव ने देहरादून, ऋषिकेश एवं काशीपुर शहरों में वायु प्रदूषण की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण रैंक में सुधार लाने के लिए विशेष प्रयास करने तथा स्वच्छता मानकों के अनुरूप समुचित कार्यवाही करने पर जोर दिया। उन्होंने एमडीडीए के साथ समन्वय स्थापित कर निर्माण स्थलों पर सामग्री को कवर करने एवं नियमित जल छिड़काव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए,

जिससे धूलजनित प्रदूषण को कम किया जा सके। प्रमुख सचिव ने चारधाम यात्रा मार्गों एवं अस्थायी आश्रय स्थलों पर सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए एनजीओ की सहभागिता के साथ पैच चिन्हित कर समानांतर प्रणाली से सफाई कार्य संचालित करने तथा समय-समय पर निगरानी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कूड़ा एकत्रीकरण हेतु वाहनों में डस्टबिन की व्यवस्था, जन-जागरूकता के लिए 'क्या करें, क्या न करें' संबंधी पेम्पलेट चस्पा करने एवं सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स 2026 के अनुरूप कूड़े का पृथक्करण (सेग्रीगेशन) सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान सदस्य सचिव, उत्तराखण्ड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड डॉ. पराग मधुकर धकाते ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण रैंक एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देहरादून में वर्ष 2019-20 की तुलना में वर्ष 2024-25 में पीएम 10 स्तर में 44.27 प्रतिशत सुधार दर्ज किया गया है। इसी प्रकार ऋषिकेश में 38.2 प्रतिशत एवं काशीपुर में 26.92 प्रतिशत सुधार हुआ है। बैठक में काशीपुर में निर्माण एवं विध्वंस (सी एंड डी) प्रोसेसिंग प्लांट हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

संक्षिप्त समाचार...

सर्वे ऑफ इंडिया मुख्यालय देहरादून से नही होगा स्थानांतरित

- मुख्यमंत्री ने इस संबंध में केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री से किया था अनुरोध

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सर्वे ऑफ इंडिया के मुख्यालय को देहरादून से अन्यत्र स्थानांतरित किए जाने के प्रस्ताव पर व्यक्त की गई चिंता के संबंध में केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस विषय पर अभी तक कोई स्वीकृति प्रदान नहीं की गई है। इस सम्बन्ध में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री को प्रेषित पत्र में स्पष्ट किया कि सर्वे ऑफ इंडिया के मुख्यालय को देहरादून से अन्यत्र स्थानांतरित किये जाने संबंधी किसी भी प्रस्ताव को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा अब तक मंजूरी नहीं दी गई है। केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने अपने पत्र में मुख्यमंत्री द्वारा उठाए गए इस विषय तथा सर्वे ऑफ इंडिया के ऐतिहासिक, वैज्ञानिक एवं सामरिक महत्व के प्रति व्यक्त चिंताओं की भी सराहना करते हुए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है।

चेक बाउंस में एसडीआरएफ सिपाही को सजा, 2.70 लाख का जुर्माना

देहरादून(संवाददाता)। चेक बाउंस के एक मामले में कोर्ट ने दोषी एसडीआरएफ सिपाही को तीन महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। दोषी पर न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय प्रतीक कपिल ने 2.70 लाख रुपये का भारी जुर्माना भी लगाया है। नेहरू कॉलोनी निवासी सुशील मग्गो ने अपने अधिवक्ता राजीव शर्मा के माध्यम से कालसी निवासी विकेश कुमार के खिलाफ अदालत में केस दायर किया था। बताया कि आरोपी विकेश ने घनिष्ठता के चलते सुशील मग्गो से कुल पांच लाख रुपये उधार लिए थे।

विधायक सुरेश गड़िया ने किया कनलगढ़ घाटी महोत्सव का शुभारंभ

बागेश्वर(संवाददाता)। कनलगढ़ घाटी के मालूखेत मैदान में कनलगढ़ घाटी महोत्सव का क्षेत्रीय विधायक सुरेश गड़िया ने शुभारंभ किया। लगभग दो दर्जन ग्राम पंचायतों की सहभागिता के साथ यह महोत्सव शुरू हुआ। विधायक ने कहा कि यह सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी आत्मा, हमारी पहचान और हमारी पीढ़ियों से चली आ रही अमूल्य विरासत का जीवंत रूप है। जब लोकधुनें गूंजती हैं, पारंपरिक वेशभूषा सजीव होती है और हमारे बुजुर्गों की परंपराएं मंच पर उतरती हैं, तो ऐसा लगता है जैसे हम अपनी जड़ों से फिर से जुड़ रहे हों। आज की भागदौड़ भरी दुनिया में अपनी संस्कृति को बचाए रखना की चुनौती से कम नहीं है, लेकिन यहां उमड़ी जनभावनाएं यह विश्वास दिलाती हैं कि हमारी नई पीढ़ी इस विरासत को न सिर्फ समझेगी, बल्कि गर्व के साथ आगे भी बढ़ाएगी। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री बलवंत सिंह भौर्याल, जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्य, ब्लॉक प्रमुख भावना शाही, जिला पंचायत सदस्य बसंती देव, बलवंत राम, मेला कमेटी के संरक्षक लाल सिंह दीवान, अध्यक्ष हीरा बघरी, मंडल अध्यक्ष भूपेश फर्त्याल, दलीप सिंह खेतवाल, मनोहर राम, आनंद मेहता, ग्राम प्रधान बैसानी देवेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

26 दिन का बिजिली का बिल नौ हजार से अधिक

बागेश्वर(संवाददाता)। 26 दिनों का 9643 रुपये का बिजली बिल आने पर उपभोक्ता के पैर के नीचे की जमीन खिसक गई। ऊर्जा निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि मामले को लेकर संबंधित विभाग के कर्मचारी तथा अधिकारी सुनवाई के लिए तैयार नहीं हैं, जिससे उपभोक्ता में नाराजगी बढ़ रही है। उपभोक्ता संतोष कुमार का कहना है कि उनका बिजली बिल 26 दिन की अवधि का 9643 रुपये आया है, जबकि ऊर्जा निगम ने 1272 यूनिट की खपत दर्शाई है। उन्होंने इसे असामान्य बताते हुए बिल की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस संबंध में विभागीय अधिकारियों तथा कर्मचारियों से संपर्क किया तो उन्हें यह कहकर टाल दिया गया कि बिल मीटर रीडिंग के अनुसार ही जारी किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया तथा बिल में सुधार नहीं हुआ तो वह आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इधर ऊर्जा निगम के एसडीओ ने बताया कि इस तरह की शिकायत लेकर उनके पास कोई नहीं आया। मामले की जांच की जाएगी।

ब्लड बैंकों के सुदृढ़ संचालन को लेकर जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

अल्मोड़ा(संवाददाता)। जिला अस्पताल और बेस अस्पताल में संचालित ब्लड बैंकों के सुदृढ़ संचालन को लेकर जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई, जिसमें कार्यप्रणाली, उपलब्ध संसाधनों और रक्त की मांग-आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ब्लड बैंकों का संचालन व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाए तथा आवश्यकता के अनुसार रक्त का पर्याप्त भंडार बनाए रखा जाए, ताकि आपात स्थिति में मरीजों को किसी प्रकार की कमी का सामना न करना पड़े। उन्होंने स्पष्ट किया कि मरीजों को समय पर और सहज रूप से रक्त उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। रेडक्रॉस सोसाइटी के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि रक्तदान जैसे सामाजिक कार्य में सभी को सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए और आपसी सहयोग से व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाना आवश्यक है। स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने और नियमित रक्तदान शिविर आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सकें। इसके साथ ही रेयर ब्लड ग्रुप वाले दाताओं का अद्यतन और व्यवस्थित रिकॉर्ड तैयार करने के निर्देश दिए गए, जिससे आवश्यकता पड़ने पर उनसे तुरंत संपर्क किया जा सके। ब्लड बैंकों में उपलब्ध रक्त की जानकारी पारदर्शी और सुगम तरीके से उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया, ताकि मरीजों और परिजनों को अनावश्यक परेशानी न हो। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए ब्लड बैंक सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ और जनहितकारी बनाने के निर्देश दिए। बैठक में राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल सीपी भैंसोड़ा, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ योगेश पुरोहित, रेडक्रॉस सोसाइटी के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज सनवाल, यूथ रेडक्रॉस चेयरमैन अमित शाह मोनू सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री के कार्यक्रम को लेकर नोडल और सह नोडल अधिकारी नामित

रुद्रपुर(संवाददाता)। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने 21 मार्च को केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के हल्द्वानी आगमन के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर यातायात को सुगम और जाम मुक्त बनाए जाने के लिए जिले के विभिन्न मार्गों पर नोडल और सह नोडल अधिकारी नामित किए हैंजिलाधिकारी ने बताया कि बाजपुर, हल्द्वानी रोड के लिए नोडल अधिकारी/उप जिलाधिकारी डॉ. अमृता शर्मा, सह नोडल और खंड विकास अधिकारी शेखर जोशी, पूर्ति निरीक्षक विपिन चन्द्र पाठक व अधिशासी अधिकारी नगर पालिका मनोज कुमार दास की तैनाती की है। वहीं पत्थरचट्टा के लिए नोडल/उप जिलाधिकारी ऋचा सिंह, सह नोडल/नायब तहसीलदार देवेन्द्र बिष्ट, खण्ड विकास अधिकारी असीत आनंद, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका कैलाश पटवाल व पूर्ति निरीक्षक चन्द्र शेखर काण्डपाल की तैनाती की है। नगला के लिए नोडल/तहसीलदार गिरीश चन्द्र त्रिपाठी, सह नोडल/अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत नगला विजय बिष्ट, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका किच्छा दीपक शुक्ला व क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी भरत सिंह राणा की तैनाती की गयी है। सिडकुल, सितारगंज के लिए नोडल/उप जिलाधिकारी तुषार सैनी, सह नोडल अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सितारगंज प्रतिभा कोहली, खंड विकास अधिकारी चिन्ताराम आर्या व क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह धामी की तैनाती की है।

डेढ़ महीने बाद भी नहीं मिला टैक्सी चालकों को भुगतान

बागेश्वर(संवाददाता)। राष्ट्रीय पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिता के दौरान उपयोग किए गए वाहनों का अभी तक भुगतान नहीं हुआ है। डेढ़ महीने बीतने के बाद भी जब भुगतान नहीं हुआ तो टैक्सी चालक व मालिक जिलाधिकारी के पास पहुंचे। उन्हें पर्यटन विभाग की शिकायत की। जल्द भुगतान दिलाने की मांग की है। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। रामघाट टैक्सी समिति से जुड़े लोग शुक्रवार को जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे से मिले। उन्होंने बताया कि पांच मार्च से नौ मार्च तक कपकोट में पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिता आयोजित हुई। इस दौरान पर्यटन विभाग ने उनके वाहनों का उपयोग किया। इनमें से दस वाहनों का भुगतान आज तक नहीं हो पाया है। पर्यटन अधिकारी से कई बार मांग कर दी है, लेकिन उन्हें सिर्फ आश्वासन मिल रहा है।भुगान नहीं होने से उनके सामने बैंक किस्त जमा करने, वाहनों का रखरवाव करने तथा टैस भरने जैसी समस्या उत्पन्न हो गई है। उन्होंने डीएम से मामले का संज्ञान लेकर भुगतान कराने की मांग की है। मांग करने वालों में अध्यक्ष अरविंद खेतवाल, भजन गड़िया, हिमांशु सिंह, गोविंद संह आदि शामिल हैं। जिलाधिकारी ने पर्यटन अधिकारी को फोन लगाकर चालकों की समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। साथ उन्हें भी इसकी जानकारी देने को कहा है।

ताइक्वांडो अकादमी के खिलाड़ी छाए

बागेश्वर(संवाददाता)। ताइक्वांडो अकादमी के खिलाड़ियों ने ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो प्रतियोगिता, उड़ीसा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में अकादमी की होनहार खिलाड़ी आलिशा मनराल ने रजत पदक हासिल कर बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। आलिशा मनराल इससे पहले भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं तथा उन्हें प्रतिष्ठित तीलू रौतेली पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। उनके इस प्रदर्शन से एक बार फिर उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस प्रतियोगिता में हर्षिता तिवारी तथा करुणा कार्की ने भी शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल तक जगह बनाई, जो अकादमी के लिए गर्व की बात है। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय से जुड़े इन खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन कर संस्था और जनपद का नाम ऊंचा किया है। बागेश्वर ताइक्वांडो अकादमी मंडलसेरा में राष्ट्रीय कोच गोकुल खेतवाल के निर्देशन में खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। वहीं, द्रोणाचार्य अवार्डी अंतरराष्ट्रीय कोच कमलेश तिवारी भी खिलाड़ियों को निश्शुल्क प्रशिक्षण देकर उनके भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

एआई का दुरुपयोग पड़ा भारी, युवक को मांगनी पड़ी माफी

बागेश्वर(संवाददाता)। जिले में एआई के दुरुपयोग का एक मामला सामने आया है, जिसमें एक युवक को वन विभाग की कार्रवाई के बाद माफी मांगनी पड़ी। बता दें कि स्यूनी गांव के एक युवक ने एआई तकनीक का इस्तेमाल करते हुए बाघ की एक फोटो तैयार की, जिसमें उसे गांव के बीच घूमते हुए दिखाया गया। युवक ने इस फोटो को अपने परिजनों और अन्य लोगों के बीच साझा कर दिया, जिससे क्षेत्र में भ्रम और दहशत का माहौल बन गया। मामले की सूचना मिलने पर वन विभाग ने तुरंत संज्ञान लेते हुए जांच शुरू की। जांच के दौरान युवक ने स्वीकार किया कि फोटो एआई के माध्यम से बनाई गई थी और वास्तविक नहीं थी। इस पर विभाग की ओर से युवक को नोटिस जारी किया गया। नोटिस मिलते ही युवक ने अपनी गलती मानते हुए माफी मांग ली। प्रभागीय वनाधिकारी आदित्य रत्न ने बताया कि युवक को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह की हरकत दोहराए जाने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

200 पीआरडी जवान कल से ड्यूटी से होंगे वाहर

बागेश्वर(संवाददाता)। बजट के अभाव में जिले के 200 पीआरडी जवानों पर रोजगार का संकट गहरा गया है। शनिवार से उन्हें विभागों से बाहर होना पड़ेगा। इससे चिंतित जवानों ने जिलाधिकारी से मुलाकात की। साल भर रोजगार देने की मांग की। कहा कि वह लंबे समय से विभागों में अपनी सेवा दे रहे हैं, लेकिन हर साल मार्च में बजट का रोड़ा रहता है। उन्होंने स्थायी समाधान की मांग की है। प्रांतीय रक्षक दल हित संगठन के जिलाध्यक्ष राजेंद्र भोटिया के नेतृत्व में पीआरडी जवान शुक्रवार को जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे से मिले। भोटिया ने बताया कि जिले में 345 पीआरडी जवान विभिन्न विभागों में तैनात हैं। बजट के अभाव में करीब 200 जवान शनिवार से बाहर हो जाएंगे। रोगार छिनन से उनके परिवार के सामने आर्थिक संकट गहरा जाएगा। बच्चों की फीस जमा करने तथा मकानों का किराया देने की समस्या गहरा गई है, जबकि सभी लोग पूरी शिद्दत के साथ विभागों में अपनी सेवा दे रहे हैं। जिसे भी जो जिम्मेदारी मिले उसे पूरी तरह निभा रहे हैं। जल्द बजट स्वीकृत कराकर सालभर नौकरी देने की मांग की है। मांग करने वालों में सचिव रंजना, नीमा वर्मा, मनीष जौहरी, मनोज कुमार, कैलाश आर्या, हरीश राम, विपिन बिष्ट आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस का देवभूमि की पवित्रता से कोई सरोकार नहीं: सीएम धामी

चम्पावत(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस पार्टी को निशाने पर लिया। देवीधुरा में मां वाराही मंदिर के शिलान्यास के मौके पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को देवभूमि की पवित्रता से कोई सरोकार नहीं है। उसे देवभूमि में खड़ी अवैध मजार अच्छी लगती है। शुक्रवार को मां वाराही मंदिर के शिलान्यास पर सीएम धामी ने कांग्रेस पर हमला किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को मंदिरों के सौंदर्यीकरण के काम में धन की बर्बादी लगती है। उसे देवभूमि में खड़ी अवैध मजार अच्छी लगती है कांग्रेस को। कहा कि कांग्रेस ने भगवान राम के अस्तित्व पर भी सवाल उठाए थे। सीएम ने कहा कि कांग्रेस को वोट बैंक की राजनीति को सुरक्षित करना है।

डामरीकरण की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

बागेश्वर(संवाददाता)। क्रुठकूला-गोगिना मोटर मार्ग में सुधारीकरण व डामरीकरण का कार्य दस सालों से नहीं हो पाया है। इससे टैसी चालकों में नाराजगी बढ़ गई है। इस मांग को लेकर चालक जिला मुख्यालय पहुंचे। अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर जल्द डामरीकण का कार्य शुरू करने की मांग की है। शुक्रवार को क्षेत्र के टैक्सी चालक जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे से मिले। उन्हें अपनी समस्याओं को ज्ञापन सौंपा। इससे पहले ज्ञापन की प्रति के साथ प्रदर्शन किया। जिलधिकारी को बताया कि उनकी सड़क दस साल से उपेक्षा की शिकार है। मार्ग पर न तो सुधारीकरण का कार्य हो पाया है और नही डामरीकरण का कार्य पूरा हो पाया है। सड़क की हालत बहुत दयनीय हे। इस कारण उनकी वाहनों को नुकसान हो रहा है। उन्होंने बताया कि डामरीकरण के लिए एक साल पहले विधायक ने भूमि पूजन भी किया। भूमिपूजन के दस महीने बाद डामरीकरण कार्य शुरू हुआ। डामरकीकरण सही से नहीं होने की शिकायत के बाद विभाग ने स्थलीय निरीक्षण किया। इसके बाद कार्य बंद कर दिया। विभाग की इस मनमानी पर रोक लगाने तथा डामरीकरण कार्य दोबारा शुरू करने की मांग की। चेतावनी दी यदि 15 दिन के भीतर काम शुरू नहीं हुआ तो वह अपने वाहनों को खड़ी कर विरोध करेंगे। सवारियों को नहीं ले जाएंगे। लोगों को जो परेशानी होगी उसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

गरुड़ में एनएसएस शिविर का शुभारंभ, युवाओं में राष्ट्र सेवा की भावना का संचार

बागेश्वर(संवाददाता)। सुमित्रानंदन पंत राजकीय महाविद्यालय, गरुड़ द्वारा आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (छै) का विशेष शिविर गागरीगोल में विधिवत रूप से प्रारंभ हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी.एन. तिवारी ने मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान महेश पांडे, विपिन जोशी एवं छात्रसंघ अध्यक्ष वीरेन्द्र रावत का बैच अलंकरण कर किया। उद्घाटन अवसर पर प्राचार्य प्रो. तिवारी ने कहा कि छै शिविर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का एक सशक्त माध्यम है, जिसमें उन्हें समाज के प्रति अपने दायित्वों का बोध कराया जाता है। उन्होंने बताया कि सात दिवसीय इस शिविर में योग, ग्राम भ्रमण, श्रमदान, बौद्धिक सत्र, रचनात्मक लेखन, नशा मुक्ति अभियान तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिससे छात्रों में सामाजिक जागरूकता और नेतृत्व क्षमता का विकास होगा। इस दौरान एक भावुक क्षण भी देखने को मिला जब छात्रसंघ अध्यक्ष वीरेन्द्र रावत को उत्तराखंड पुलिस में चयनित होने पर सम्मानित करते हुए विदाई दी गई। उपस्थित जनसमूह ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिविर संचालक शिव प्रकाश राय ने शिविर की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस शिविर के माध्यम से छात्र-छात्राएं आसपास के गांवों में जाकर नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता अभियान चलाएंगे और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. डी.एन. तिवारी, चंद्रशेखर बिष्ट, अवधेश तिवारी, छात्रसंघ उपाध्यक्ष ममता रावत सहित महाविद्यालय के कई प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

मैं अपनी शर्तों पर जीती हूं, सिंगल रहना मेरी पसंद : दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता पर्दे पर जितने दमदार तरीके से हर एक किरदार को पेश करती हैं, वास्तविक जिंदगी में भी अपनी बेबाकी और सच्चाई से भरी बातों के लिए जानी जाती हैं। इसी कड़ी में दिव्या समाज की पुरानी और पितृसत्तात्मक सोच पर खुलकर बात करती नजर आईं। दिव्या ने सिंगल रहने, शादी और मातृत्व को लेकर समाज की अपेक्षाओं पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी इंसान की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोला जा सकता और हर किसी की कहानी अलग-अलग होती है। दिव्या से जब पूछा गया कि आज के समय में सिंगल रहना कितना मुश्किल है और क्या समाज अब भी मानता है कि कोई महिला शादी या बच्चे होने से ही पूरी होती है, तो उन्होंने अपनी राय रखते हुए बताया, चाहे मेरे पास पार्टनर हो या मैं सिंगल हूं, मैं अपनी जिंदगी का मजा लेती हूं और यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। मुझे लगता है कि हर इंसान की कहानी अलग होती है। यह आम राय बनाना कि पार्टनर होना अच्छा है या सिंगल रहना अच्छा है, यह किसी के लिए भी सही नहीं। जो आपके लिए सही काम करता है, वही सबसे बढ़िया है। मेरे लिए यह सही है और मैं इससे खुश हूं।उन्होंने आगे कहा, मेरा स्पष्ट मानना है कि लोगों को दूसरों की जिंदगी के फैसलों पर राय नहीं बनानी चाहिए। अगर किसी को अच्छा पार्टनर मिल गया, तो उनके लिए सही है। अगर नहीं मिला, तो उन्हें जो सही लगे, वही करना चाहिए। आप किसी की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोल सकते। मेरी जिंदगी ऐसी ही रही है और मैं इसका मजा लेती हूं। इसलिए जो भी फैसले मैंने लिए, उन पर मुझे गर्व है।समाज में आज भी मौजूद पितृसत्तात्मक सोच पर बात करते हुए दिव्या ने कहा, तरक्की के बावजूद ये पुरानी सोच बनी हुई है। शिक्षा का इससे कोई लेना-देना नहीं, यह बस एक सोच है। हर इंसान का सफर अलग होता है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए, न कि तुलना।

थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता : स्नेहलता वसईकर

गुड़ी पड़वा का त्योहार महाराष्ट्र में धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार नए साल के स्वागत का प्रतीक है और नई उम्मीदें लेकर आता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई इस दिन की खुशियों का हिस्सा बनता है। इस कड़ी में अभिनेत्री स्नेहलता वसईकर ने गुड़ी पड़वा के महत्व और अपने निजी अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह त्योहार उनके दिल के बहुत करीब है। बचपन में सुबह जल्दी उठकर गुड़ी लगाने की परंपरा, पारिवारिक मिलन और त्योहार की तैयारियां उनकी सबसे प्यारी यादें हैं। स्नेहलता ने कहा, गुड़ी पड़वा मुझे नए साल की नई उम्मीदें देता है। इस साल मेरे लिए गुड़ी पड़वा और भी खास है, क्योंकि यह पेशेवर रूप से मेरे लिए एक नया चरण लेकर आया है। मैं जल्द ही थ्रिलर शो वशीकरणम में मुख्य किरदार सुमन के रूप में नजर आने वाली हूं। यह किरदार मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों है। स्नेहलता ने कहा, गुड़ी पड़वा की तरह हर नई शुरुआत जीवन में सकारात्मक बदलाव और नए अवसर लेकर आती है। इस उत्सव का संदेश सिर्फ खुशियों का नहीं, बल्कि आशा और नए अनुभवों को अपनाने का भी है। यही सोच मैं अपने पेशेवर जीवन में भी लागू कर रही हूं। वशीकरणम मेरे लिए सिर्फ एक नया शो नहीं है, बल्कि एक नए दौर की शुरुआत है, जिसे मैं उत्साह और समर्पण के साथ निभा रही हूं।स्नेहलता ने आगे कहा, थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता। इस तरह के शो में अभिनय करते समय भावनाओं और एक्सप्रेशन पर मजबूत पकड़ होना बेहद जरूरी है। हर सीन को खास बनाने के लिए अभिनेता को पूरी तरह उस पल में डूबना पड़ता है। इस तरह के अनुभव से अभिनय में गहराई आती है और दर्शकों के लिए किरदार ज्यादा विश्वसनीय बनता है।स्नेहलता वसईकर मराठी फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में लंबे समय से एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने कई क्षेत्रीय फिल्मों और शो में काम किया है और अपने अभिनय की वजह से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। उनके लिए वशीकरणम शो टीवी में डेब्यू प्रोजेक्ट है।

निविन पॉली की राजनीतिक थ्रिलर प्रतिछाया की रिलीज डेट से उठा पर्दा, 26 मार्च को देगी दस्तक

मलयालम सिनेमा में हमेशा ही राजनीतिक कहानियों को पर्दे पर रोचक अंदाज में दिखाया गया है। इस बार निर्देशक बी. उन्नीकृष्णन एक नई राजनीतिक थ्रिलर फिल्म प्रतिछाया लेकर आए हैं, जिसमें दर्शक राजनीतिक रणनीतियों के जटिल खेल को देख पाएंगे। यह फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें निविन पॉली मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।अब फिल्म निर्माताओं ने इसकी रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है। फिल्म निर्माताओं ने आधिकारिक घोषणा की है कि फिल्म 26 मार्च को दुनियाभर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निविन पॉली ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि यह फिल्म एक पिता की विरासत और बेटे की तकदीर की कहानी है। इस फिल्म के लेखक और निर्देशक बी. उन्नीकृष्णन हैं।इसे श्री गोकुलम मूवीज और आरडी इल्यूमिनेशंस एलएलपी ने प्रोड्यूस किया है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को बढ़ा दिया। ट्रेलर की शुरुआत ही निविन पॉली की आवाज से होती है। वह सवाल उठाते हैं कि क्या सफलता केवल पद या वेतन से मापी जा सकती है। वे गांधीजी, नेहरू, ईएमएस और ए.के.जी. का उदाहरण देते हुए यह सोचने पर मजबूर करते हैं कि क्या इन्हें समाज सफल मानता है या नहीं।इस बीच ट्रेलर में प्रदर्शन, राजनीतिक भाषण और नेताओं की छवियां दिखाई जाती हैं, जो फिल्म में होने वाले राजनीतिक संघर्ष का संकेत देती हैं। फिल्म में निविन पॉली का किरदार एक राजनीतिक रणनीतिकार है। वह किसी नेता की टीम का हिस्सा हैं और राजनीतिक समीकरणों को अच्छी तरह समझते हैं। वह बताते हैं कि मंत्रिमंडल गठन, जाति, धर्म और शक्तिशाली गठबंधनों पर आधारित होता है।नेताओं की छवि और लोकप्रियता इन समीकरणों से तय होती है। ट्रेलर में दिखाया गया कि निविन पॉली का किरदार भ्रष्ट भी है। जब एक नेता उन्हें करप्ट कहता है, तो वह जवाब देते हुए कहते हैं, जैसे तुम्हारा करप्शन से कोई लेना-देना नहीं है।

धुरंधर 2 के प्रीमियर शो ने बिगाड़ा द केरल स्टोरी 2 का रिकॉर्ड, 20वें दिन हुई बस इतनी कमाई

द केरल स्टोरी 2 में उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया ने लीड रोल प्ले किया है. इस फिल्म ने रिलीज के तीसरे मंगलवार यानी 19वें दिन तक हर दन एक करोड़ से ऊपर ही कमाई की. लेकिन अब श्धुरंधर 2ा की रिलीज ने इस फिल्म का पूरा खेल बिगाड़ दिया है. जानते हैं रिलीज के तीसरे बुधवार यानी 20वें दिन इसने कितना कलेक्शन किया है?द केरल स्टोरी 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया है. यहां तक कि ये अपना बजट वसूलने के साथ ही 70 फीसदी से ज्यादा मुनाफा भी बटोर चुकी है इसलिए ये साल की सक्सेसफुल फिल्मों की लिस्टम शामिल हो गई है. हालांकि रिलीज के 20वें दिन धुरंधर 2 के प्रीमियर शो के चलते इसकी कमाई को झटका लगा और इसने तीसरे बुधवार अब तक का सबसे कम कलेक्शन किया ह.फिल्म की कमाई की बात करे तो पहले हफ्ते में 23.28 करोड़ कमाने वाली द केरल स्टोरी 2 ने दूसरे हफ्ते में 17.16 करोड़ कमाए. वहीं तीसरे हफ्ते के 15वें दिन इसने 1.50 करोड़, 16वें दिन 2.75 करोड़, 17वें दिन 3.15 करोड़, 18वें दिन 1.13 करोड़ और 19वें दिन 1.58 करोड़ का कलेक्शन किया.वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक द केरल स्टोरी 2 ने रिलीज के 20वें दिन यानी तीसरे बुधवार को 80 लाख कमाए हैं.इसी के साथ द केरल स्टोरी 2 की 20 दिनों की कुल कमाई अब 51.15 करोड़ रुपये हो गई है.द केरल स्टोरी 2 साल 2026 की चौथी बॉलीवुड फिल्म बन गई है जिसने 50 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है. यह फिल्म बॉर्डर 2, मर्दानी 3 और ओ रोमियो के बाद इस लिस्ट में शामिल हुई है. हालांकि सिनेमाघरों में धुरंधर 2 की रिलीज के साथ अब इस फिल्म के पास कमाई करने का मौका नहीं रहा है. रणवीर सिंह की फिल्म के प्रीमियर शो ने ही द केरल स्टोरी 2 की हालत खराब कर दी अब 19 मार्च से ये दुनियाभर के सिनेमाघरों में दहाड़ेगी तो इस फिल्म के लिए कमाई करना मुश्किल हो जाएगा. अब देखने वाली बात होगी कि धुरंधर 2 के आने के बाद द केरल स्टोरी 2 का कैसा हाल होगा.

हिन्दी दैनिक जोखिम

बीएचयू में प्रशिक्षण लेंगे विज्ञान वर्ग के 50 नव नियुक्त असिस्टेंट प्रोफेसर

– फोकस्ड ट्रेनिंग एंड इंडक्शन प्रोग्राम में शिक्षण तकनीकी पर होगा फोकस

– उच्च शिक्षा विभाग के 35 सहायक पुस्तकालयाध्यक्षों का भी चल रहा प्रशिक्षण

देहरादून(संवाददाता)। उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता गुणवत्ता और नवाचार को बढ़ावा देने के तहत प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों में विज्ञान वर्ग में नव नियुक्त 50 शिक्षकों को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी (बीएचयू) में विशेष प्रशिक्षण दिया जायेगा। आगामी 23 मार्च से आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण में शिक्षकों को शिक्षण तकनीकों तथा आधुनिक शोध पद्धतियों के गुर सिखाये जायेंगे। उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन एवं ज्ञानवर्धन प्रशिक्षण योजना के तहत प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों के 35 सहायक पुस्तकालयाध्यक्षों को भी बीएचयू में ट्रेनिंग चल रही है, जहां पर वह आधुनिक पुस्कालय व्यवस्था का प्रशिक्षण ले रहे हैं। उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों के मुताबिक उच्च शिक्षा में गुणवत्ता उन्नयन के दृष्टिगत राजकीय विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के शिक्षकों को देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध व नवाचारात्मक शैक्षणिक वातावरण विकसित किया जा सके। योजना के तहत इस बार राजकीय विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों विज्ञान वर्ग में नव नियुक्त 50 शिक्षक बीएचयू में प्रशिक्षण लेंगे। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि आगामी 23 मार्च से 19 अप्रैल तक बीएचयू में विशेष फोकस्ड ट्रेनिंग एंड इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें इन शिक्षकों को उच्च शिक्षा के आधुनिक मानकों, शिक्षण तकनीकों, शोध पद्धतियों एवं शैक्षणिक प्रशासन के गुर सिखाये जायेंगे, जिससे वह अपने शिक्षण कार्य को अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापरक बना सके और अपने-अपने महाविद्यालयों में बेहतर शैक्षिक वातावरण विकसित कर छात्रों में शोध प्रवृत्ति को बढ़ा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न विशेषज्ञों एवं बीएचयू के प्रख्यात शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण सत्रों में व्याख्यान दिये जायेंगे।विभागीय अधिकारियों ने बताया कि उच्च शिक्षा में गुणवत्ता उन्नयन एवं ज्ञानवर्द्धन प्रशिक्षण योजना के तहत विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों के 35 सहायक पुस्तकालयाध्यक्षों का भी बीएचयू में प्रशिक्षण चल रहा है। उन्होंने बताया कि 09 मार्च से 22 मार्च से चलने वाले 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहायक पुस्तकालयाध्यक्षों को पुस्तकालय प्रणाली के आधुनिक आयामों के बारे में अवगत कराया गया। इस दौरान डिजिटल एक्सेस, ई-लाइब्रेरी, सूचना प्रबंधन तथा पुस्तकालय के नवीन तकनीकी पहलुओं के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में सहायक पुस्तकालयाध्यक्षों को इन विषयों के सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के तहत सहायक पुस्तकालयाध्यक्षों को बीएचयू के विभिन्न पुस्तकालयों के साथ-साथ केन्द्रीय उच्च तब्बती शिक्षा संस्थान तथा नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी सहित अन्य प्रमुख संस्थानों के पुस्तकालयों का भी भ्रमण किया। जहां पर उन्हें पुस्तकालय प्रबंधन, डिजिटलीकरण और संसाधनों के प्रभावी उपयोग की आधुनिक व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी गई। राज्य सरकार ने उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन एवं ज्ञानवर्द्धन प्रशिक्षण योजना के तहत शिक्षकों को देश के उत्कृष्ट संस्थानों में एक्सपोजर विजिट व प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत शिक्षकों को विभिन्न संस्थानों प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी कड़ी में विज्ञान वर्ग के नवनियुक्त 50 शिक्षकों को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में आगामी 23 मार्च से प्रशिक्षण दिया जायेगा। शिक्षकों के एक्सपोजर व प्रशिक्षण का निश्चित तौर पर प्रदेश के शिक्षण संस्थाओं में सकारात्मक प्रभाव दिखायी देगा।- डा. धन सिंह रावत, उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तराखंड।

धनोल्टी में खाद्यपूर्ति विभाग ने गैस सिलेंडरों का किया औचक निरीक्षण

देहरादून(संवाददाता)। धनोल्टी क्षेत्र के अंतर्गत गठित क्यूआरटी टीम ने धनोल्टी बाजार में विभिन्न होटलों, ढाबों, रेस्टोरेंटों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने जनता को जागरूक किया गया कि गैस की कोई कमी नहीं है।क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी विवेक शाह ने बताया कि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस के उपयोग को रोकने के लिए किए गये निरीक्षण में अधिकांश प्रतिष्ठानों में व्यावसायिक गैस सिलेंडर तथा कहीं कहीं इंडक्शन व कुछ स्थानों पर लकड़ी के चूल्हों का प्रयोग होता पाया गया। इस मौके पर प्रतिष्ठान स्वामियों को निर्देशित किया गया कि वाणिज्यिक संस्थानों में घरेलू गैस का उपयोग गैर कानूनी है। इसलिए होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों में घरेलू गैस का उपयोग किसी भी दशा में न किया जाए। पकड़े जाने पर कार्रवाई की जाएगी। टीम ने अनमोल गैस एजेंसी चंबा से संबंधित घरेलू गैस उपभोक्ताओं को प्री ऑन लाइन बुकिंग के आधार पर शांतिपूर्ण तरीके से गैस सिलेंडरों का वितरण भी किया।

संक्षिप्त समाचार...

नवरात्रों व हिंदू नववर्ष के मौके पर 101 कन्याओं का पूजन किया

देहरादून(संवाददाता)। हिंदू नव वर्ष एवं नवरात्रों पर शुभ मंगलम संस्था ने चौत्र की दूसरे नवरात्रि के अवसर पर 101 कन्याओं का पूजन किया। इस दौरान विधिवत कलावा व तिलक लगाकर कन्याओं को चुनरी उड़ाई गयी सहिंदू नववर्ष के आगमन व चौत्र नवरात्रों पर मसूरी में गरीब कन्याओं का विवाह करवाने वाली संस्था शुभ मंगलम ने महात्मा योगेश्वर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर इंटर कालेज प्रांगण में कार्यक्रम आयोजित कर 101 कन्याओं का पूजन किया व प्रसाद, उपहार तथा दक्षिणा दी । इस मौके पर माता रानी के जयकारे लगाने के साथ ही मां भगवती की आरती की गयी व बच्चों को हिंदू संवत में चौत्र नवरात्रों व नववर्ष के बारे में विस्तार से बताया गया। शुभ मंगलम संस्था की अध्यक्ष रेनू अग्रवाल ने बताया कि संस्था लगातार 5 वर्षों से यह कार्यक्रम आयोजित कर रही हैं व शुभ मंगलम नव वर्ष के आगमन में सर्वप्रथम कन्या पूजन करती हैं। संस्था गरीब कन्याओं के विवाह करवाती है व उनके माता पिता को जरूरी शादी का सामान देती हैं। अब तक शुभ मंगलम 67 कन्याओं के माता-पिता को उनके विवाह योग्य सामान दे चुके हैं। आगामी अप्रैल माह में तीन कन्याओं के माता-पिता को सामान देने की तैयारी है। कार्यक्रम में रेणु अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, रेनू वाही, सरोज जैन, सारिका अग्रवाल, राशी अग्रवाल सहित सदस्य व विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. मनोज रयाल भी मौजूद रहे।

छात्राओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर, कानूनी अधिकार भी जाने

देहरादून(संवाददाता)। सामाजिक संस्था जन जागरण अभियान समिति ने गढ़ी कैंट स्थित ब्लूमिंग बड्स स्कूल में शिविर लगाकर 50 स्कूली छात्राओं को आत्मरक्षा, कानून और स्वास्थ्य संबंधी जनकारी दी। शुक्रवार को हुए कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पैनल अधिवक्ता लता राणा ने छात्राओं को पॉक्सो एक्ट के प्रावधान बताए। उन्होंने बताया कि किसी भी तरह की अप्रिय घटना या छेड़छाड़ होने पर शिकायत कहां और कैसे दर्ज करानी है। विश्व विजय मिश्रा ने छात्राओं को गुड टच और बैड टच का अंतर समझाते हुए उन्हें निडर बनने और आपात स्थिति के लिए मिर्ची पाउडर साथ रखने की सलाह दी। जाने-माने चिकित्सक डॉ. शैलेन्द्र कौशिक ने उत्तम स्वास्थ्य, सही खानपान और दैनिक जीवन में आयुर्वेद व अध्यात्म के बारे में बताया। साधना भट्ट और सतीक्षा सिंह ने जूडो-कराटे का प्रशिक्षण रहा। संस्था के अध्यक्ष स्वप्निल सिन्हा, समाजसेवी राजेश पंत, फिल्म निर्माता राजेश डोभाल और स्कूल के प्राचार्य बसंत उपाध्याय ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में कैंट गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्राचार्या पूनम वर्मा, शिक्षिका दीपमाला, शालिनी पंवार, प्रेरणा, समाजसेवी राजेंद्र जोशी और सचिन पांडे आदि मौजूद रहे।

आपदा प्रभावित गांवों के 110 परिवारों को 87 लाख से अधिक की सहायता, मंत्री गणेश जोशी ने वितरित किए चौक

देहरादून(संवाददाता)। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज सहस्त्रधारा स्थित एक निजी होटल में ग्राम्य विकास विभाग के अंतर्गत संचालित ग्रामोत्थान (रिप) परियोजना के तहत विकास खण्ड रायपुर के आपदा प्रभावित ग्राम पंचायत सेरागांव, कार्लीगाड़ और धनौला के 110 परिवारों को बड़ी राहत प्रदान की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्वयं सहायता समूहों को घ87 लाख से अधिक की सहायता राशि के चौक वितरित किए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राज्य सरकार आपदा प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास और महिलाओं के आजीविका संवधन और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामोत्थान (रिप) परियोजना के माध्यम से ग्रामीणों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके।

मंत्री गणेश जोशी ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि "आज की नारी केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि वह आर्थिक और सामाजिक बदलाव की मजबूत आधारशिला बन चुकी है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं न सिर्फ आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि अपने गांव और समाज को भी आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़ने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है, ताकि वे सशक्त बनकर प्रदेश के विकास में भागीदार बन सकें। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और सरकार उन्हें हर स्तर पर प्रोत्साहित कर रही है। मंत्री जोशी ने कहा कि अभी तक प्रदेश में 2.55 लाख से अधिक लखपति दीदी बन चुकी है।इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य वीर सिंह चौहान, ग्राम प्रधान राकेश जवाडी, संजय राणा, सचिन राणा, घनश्याम नेगी, रतन सिंह, खंड विकास अधिकारी अर्पणा बहुगुणा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजीव पंत द्वारा जेल रोड, हल्द्वानी, नैनीताल उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन जेल रोड, हल्द्वानी नैनीताल से मुद्रित। **सम्पादक – राजेश पंत**
फोन नं0– 05946–254443 प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/36647 email: jokhimhaldwani2013@gmail.com
ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़नें के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com